बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 3

बुधवार, तिथि — 08 चैत्र, 1939 (श.) / 29 मार्च, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 24

1.	नगर विकास एवं आवास विभाग	-	-	09
2.	निबंधन विभाग	-	-	02
3.	सामान्य प्रशासन विभाग	-	-	06
4.	पर्यटन विभाग	-	-	01
5.	आपदा प्रबंधन विभाग	-	-	01
6.	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग	-	-	04
7.	खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग	-	-	01
			कुल योग	– 24

सड़कों पर लाइट की व्यवस्था

222. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राजधानी पटना अन्तर्गत चितकोहरा चौक से गर्दनीबाग पुल की ओर जानेवाली खगौल रोड पर लगे खंभों में लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि चितकोहरा पुल से लेकर 15 नंबर पुल तक कई चौराहे हैं, जिसके दक्षिणी भाग में अन्दर घनी आबादी रहती है और उत्तर की तरफ कई चौराहे राजभवन की तरफ निकलती है, किन्तु इस रास्ते में लाइट नहीं है जिससे रास्ता अंधकार में डूबा रहता है तथा अंधेरे की वजह से हमेशा आने-जाने वाले लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सघन अभियान चलाकर खंड 'क' में वर्णित स्थल सहित इसके इर्द-गिर्द सड़कों पर लाइट लगवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अवैध एन.जी.ओ. का पंजीयन रद्द

223. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, निबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला सहित राज्य के अन्य जिलों में 45 हजार एन.जी.ओ. सोसायटी रजिस्टर्ड हैं;

(ख) क्या यह सही है कि नियमानुसार एन.जी.ओ. सोसायटी की सालाना रिटर्न, ऑडिट और फार्म एच. देना होता है परंतु उक्त सोसायटी एन.जी.ओ. द्वारा ऑडिट रिपार्ट, रिटर्न और फार्म एच. नहीं दिया गया है तथा विभाग द्वारा लगातार सूचना देने के बाद लगभग 40 हजार एन.जी.ओ. सोसायटी द्वारा कागजात उपलब्ध नहीं कराया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत एन.जी.ओ. सोसायटियों द्वारा उक्त कागजात सरकार की सूचना के बावजूद उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त एन.जी.ओ. का पंजीयन रद्द कराते हुए राज्य सहित पूर्वी चम्पारण में कौन-कौन-सी एन.जी.ओ. सोसायटी अबतक कार्यरत है?

स्मार्ट सिटी के लिए योजना

224. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण के अनुसार अभी देश के 500 शहरों की सूची में पटना का स्थान 133वां है, जबकि प्रकाश पर्व के पूर्व 146वां स्थान था;

(ख) क्या यह सही है कि पटना शहर में स्मार्ट सिटी में शामिल होने के लिए साफ-सफाई की व्यवस्था, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की स्थिति और रख-रखाव, खुले में शौच की स्थिति, स्लम बस्ती की स्थिति, कचरा वाहनों की स्थिति और ढुलाई कार्य, कचरा डंपिंग और निस्तारण व्यवस्था का नियमित रूप से प्रबंधन किया जाना अनिवार्य है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार के द्वारा पटना शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के संबंध में क्या योजना बनाई गई है, यदि हां तो कबतक?

वेतन का भुगतान

225. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सारण जिला के आर.टी.पी.एस. कर्मियों का मानदेय बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसायटी द्वारा राशि आवंटन के बावजूद भी चार महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सारण जिला में खंड 'क' में अंकित पदों पर नियुक्त कर्मियों को राशि आवंटन के बाद भी वेतन का भुगतान नहीं किए जाने के कारण अल्प वेतनभोगी कर्मियों में असंतोष व्याप्त है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सारण जिला के आर.टी.पी.एस. कर्मियों का बकाये वेतन का भुगतान यथाशीघ्र करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

खाली भूखण्डों पर मॉल

226. **श्री सूरज नन्दन प्रसाद** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत मछुआ टोली, बकरी बाजार, न्यू मार्केट सहित अन्य स्थानों पर नगर निगम के खाली पड़े भू-खंडों में मॉल बनाने का निर्णय एक वर्ष पूर्व हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि पटना नगर निगम के कंकड़बाग अंचल के पूर्वी तथा पश्चिमी छोर पर नगर निगम का एक-एक बड़ा भू-भाग खाली है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' पर वर्णित खाली भूमि पर शॉपिंग मॉल बनाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

लाभुकों को पक्का मकान कबतक

227. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया शहर के रामपुर दलित बस्ती में विगत 100 वर्षों से लगभग 60 परिवार झुग्गी-झोपड़ी में रह रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त बस्ती में रहने वाले 49 परिवारों के नाम राजीव आवास योजना के लाभुकों में शामिल किया गया था, डी.पी.आर. भी बना लेकिन योजना का लाभ बस्ती के एक भी परिवार को नहीं मिला;

(ग) क्या यह सही है कि बस्ती के किसी भी घर में शौचालय की सुविधा नहीं है एवं खुले में नाली का गंदा पानी बहता है, इस कारण संक्रामक बीमारी फैल रही है;

(घ) क्या यह सही है कि अधिकारियों के अनदेखी के कारण इस बस्ती के 60 परिवार नारकीय स्थिति में रहने को विवश हैं;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राजीव आवास योजना में शामिल उक्त बस्ती के सभी लाभुकों को पक्का मकान दिलाना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

मंदिर एवं पोखरा का पुनर्निर्माण कबतक

228. **श्री टुनजी पाण्डेय** : क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिलान्तर्गत मैरवा प्रखंड के हरिराम ब्रह्म का मंदिर एवं पोखरा ऐतिहासिक धरोहर है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त मंदिर एवं पोखरा की स्थिति काफी खराब है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त मंदिर एवं पोखरा का पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

त्वरित निष्पादन पर कार्रवाई

229. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के 29 आई.ए.एस., 15 आई.पी.एस. एवं एक सौ से अधिक उप समाहर्त्ता कोटि के पदाधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप में जांच लंबित है, यदि हां तो सरकार उक्त मामले के त्वरित निष्पादन हेतु कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

समय के अन्दर कार्य सम्पन्न

230. **श्री लालबाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार प्रदेश के पटना स्थित बंगाली टोला में मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत सड़क निर्माण हेतु जनवरी के पहले सप्ताह में खुदाई की गई जिससे घरों का पीने वाला पानी एवं रास्ता बंद है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त मुहल्ला में पानी कनेक्शन संग सिवरेज और फोन कनेक्शन भी काट दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त टोला के 20 हजार लोगों के लिए वैकल्पिक पीने का पानी एवं समय-सीमा के अंदर कार्य संपादित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पुलिया का निर्माण

231. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत प्रखंड फुलवारी शरीफ, सर्वे थाना नं.-36, मौजा-कुरकुरी में पटनावासियों द्वारा जमीन क्रय किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि कुरकुरी स्थित जमीन पर जाने में बड़ा नाला है जिसके चलते निर्माण सामग्री ले जाने में घोर कठिनाई है, किसी भी वाहन का यातायात संभव नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि चाणक्या स्टेट डेवलपर्स के कार्यालय के ठीक सामने नाला पर पुलिया का निर्माण हो जाने पर आम जनता के गृह निर्माण से संबंधित सारी कठिनाइयों का समाधान संभव है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में अंकित स्थल पर पुलिया का निर्माण यथाशीघ्र कराना चाहती है?

सेवा राशि का भुगतान

232. **श्री मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सुपौल एवं सहरसा जिले के नाविकों ने बाढ़ के समय बाढ़ राहत में अपनी नौकाओं से सेवा प्रदान की थी;

(ख) क्या यह सही है कि सेवा प्रदान करने के बावजूद बहुत सारे नाविकों को अभी तक सेवा राशि का भुगतान नहीं हो पाया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नाविकों की सेवा राशि का भुगतान कबतक करना चाहती है, नहीं तो क्यों?

बासगीत जमीन का पर्चा निर्गत

233. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि श्री राजेन्द्र राम, कलमबाग रोड, वार्ड नं.-30, मुजफ्फरपुर जो 29 वर्षों से रैयती गैर मजरूआ जमीन पर बसे हुए हैं एवं महादलित परिवार के हैं, भू-स्वामियों द्वारा उनको अपनी बासगीत जमीन से बेदखल किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि जनता दरबार का आवेदन सं.-0112142069, दिनांक 01.12.2014 द्वारा समाहर्त्ता, मुजफ्फरपुर, प्रधान सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पत्रांक-39, दिनांक 11.01.2016 द्वारा समाहर्त्ता, मुजफ्फरपुर को बासगीत जमीन का पर्चा निर्गत करने का निदेश दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि महादलित आयोग, पटना से प्राप्त निदेश में खाता नं.-109, खेसरा नं.-6 (क, ख, ग) रकबा 8 धुर की भूमि को श्री राजेन्द्र राम के नाम से पर्चा निर्गत करने का आदेश दिया गया है;

(घ) क्या यह सही है कि अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी मुजफ्फरपुर के पत्रांक-10757, दिनांक 06.06.2014 द्वारा आयुक्त, तिरहुत प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर को पर्चा निर्गत करने के संबंध में अनुरोध किया गया है, इसके बावजूद श्री राम को बेदखल किया जा रहा है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राजेन्द्र राम को बासगीत जमीन का पर्चा निर्गत कर भू-स्वामियों द्वारा बेदखल करने की साजिश को कबतक बेनकाब करना चाहती है?

अंचल में अमीनों की कमी

234. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमिसुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला के गौड़ा बौड़ाम अंचल में अंचल अमीन की कमी के कारण अंचलाधिकारी द्वारा विवादित भूमि की नापी में अत्यधिक देरी लगाने की शिकायत सामने आई है;

(ख) क्या यह सही है कि इस अंचल में जमीन विवाद के अधिकतर मामलों में देर से नापी करने अथवा दबंग के पक्ष में नापी नहीं करने की शिकायत आम जनता द्वारा की जा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी समीक्षा कराकर अंचलाधिकारी को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने एवं विवादित भूमि के निष्पक्ष जांच के लिए अंचलाधिकारी को प्रेरित करने का कार्य करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सड़क एवं नाले का निर्माण

235. **डा. रणवीर नन्दन** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के फुलवारी प्रखंड के अंतर्गत शिवम विहार कॉलोनी में अमर सिंह के घर से अजय कुमार सिंह के घर तक लगभग 200 फीट रोड का निर्माण नहीं होने से लगभग 200 आबादी प्रभावित है, सारे लोग पानी एवं कीचड़ में आने-जाने को मजबूर हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कॉलोनी में पानी एवं नाला न रहने के कारण जल-जमाव की समस्या सालों भर बनी रहती है, जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित पथ को छोड़कर शेष सड़कों का निर्माण कर दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कच्ची सड़क पर पी.सी.सी. ढ़लाई एवं भूगर्भ नाले का निर्माण यथाशीघ्र करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

जमीन का अधिग्रहण

236. **श्री राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता** : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मोतिहारी में अवस्थित केन्द्रीय विद्यालय को अपना भवन नहीं होने के कारण वह विभाग में भूमि अधिग्रहण कर विद्यालय को देने हेतु आवेदन दिया है, जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है;

(ख) क्या यह सही है कि जनहित में इस विद्यालय को अपनी जमीन एवं मकान का होना आवश्यक है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय की जमीन अधिग्रहण करने में शीघ्रता करने हेतु अधिकारी को निदेश देना चाहती है?

कर्मियों को नियमित कबतक

237. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के लगभग सभी विभागों/निदेशालयों में करीब पांच लाख कर्मी तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग में नियुक्त हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उन कर्मियों को स्थायी करने की घोषणा पूर्व में सरकार द्वारा की गई थी, किन्तु अभी तक संविदा कर्मियों को नियमित नहीं किये जाने से वे अल्प नियत वेतन पर कार्य करने के लिए विवश हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतायेगी कि विगत कई वर्षों से संविदा पर कार्यरत कर्मियों को नियमित करने की योजना है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

भूगर्भ नाला का निर्माण

238. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत फुलवारी प्रखंड के एकता नगर रोड नं.-1 एवं 2 में सड़क का पी.सी.सी. ढ़लाई कर दी गई है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क में भूगर्भ नाला नहीं रहने के कारण जल-जमाव की समस्या हमेशा बनी रहती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार एकता नगर रोड नं.-1 एवं 2 में भूगर्भ नाला यथाशीघ्र बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियुक्ति में पारदर्शिता

239. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार कर्मचारी चयन आयोग और बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा वर्ष 2014 से नियुक्ति से संबंधित जितनी भी परीक्षाएं आयोजित की गई हैं, उनका रिजल्ट समय पर नहीं प्रकाशित हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि प्राय: सभी परीक्षाओं का रिजल्ट न्यायालय के हस्तक्षेप से ही अबतक निकाला गया है;

(ग) क्या यह सही है कि वर्ष 2004 से अबतक सभी प्रकार की नियुक्तियों से संबंधित मामले न्यायालय में गये हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सभी प्रकार की नियुक्तियों के मामले में परीक्षार्थियों के भविष्य को देखते हुए क्या सरकार नियुक्तियों के संबंध में पारदर्शिता लाते हुए विवादमुक्त व्यवस्था करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

संलिप्त पदाधिकारियों पर कार्रवाई

240. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत मोतिहारी नगर परिषद् द्वारा मोतिहारी में शहर के 5 जगहों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु प्याऊ की व्यवस्था कराई गयी थी;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा प्रत्येक प्याऊ के निर्माण हेतु 2 से 2.50 लाख रु. दिये गये थे, जिसमें ठंडा पानी के लिए फ्रीजर, एक्वागार्ड, स्टोरेज के लिए टंकी व बोरिंग की सुविधा उपलब्ध करायी गयी थी;

(ग) क्या यह सही है कि मोतिहारी नगर परिषद् द्वारा प्याऊ का निर्माण आधा-अधूरा कर सरकारी राशि का गबन किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार संलिप्त पदाधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

राजस्व संग्रह के लिए कार्रवाई

241. **श्री सूरज नन्दन प्रसाद** : क्या मंत्री, निबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि चालू वित्तीय वर्ष में रजिस्ट्री से अबतक मात्र 3800 करोड़ रुपये के निर्धारित राजस्व संग्रह के विरुद्ध अबतक मात्र 2200 करोड़ रुपये का ही संग्रह किया जा सका है जबकि चालू वित्तीय वर्ष खत्म होने में दो माह ही शेष है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार निर्धारित राजस्व संग्रह के लिए कौन-सा कदम उठाने का विचार रखती है?

जिला एवं अनुमंडल का प्रस्ताव लंबित

242. **श्री टुनजी पाण्डेय** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिलान्तर्गत महाराजगंज अनुमंडल को जिला एवं मैरवा प्रखंड को अनुमंडल बनाने का प्रस्ताव काफी दिनों से लंबित है;

(ख) क्या यह सही है कि ग्रामीणों के विकास एवं मुख्यधारा में लाने हेतु उक्त जिला एवं अनुमंडल बनाना अति आवश्यक है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में उल्लेखित स्थान को जिला एवं अनुमंडल बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

आपूर्ति नियमित कबतक

243. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में ससमय अनाज का उठाव नहीं किये जाने के कारण बी.पी.एल. एवं अन्य लाल-पीला कार्डधारियों को राशन किरासन की जनवितरण प्रणाली से आपूर्ति बाधित हो गई है; यदि हां तो आपूर्ति को नियमित कराने हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है?

समाहरणालय का नामकरण

244. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि ऐतिहासिक, पौराणिक दस्तावेजों एवं मुंगेर गजेटियर के अनुसार लखीसराय का प्राचीन नाम क्रिमिला के नाम से प्रसिद्ध है;

(ख) क्या यह सही है कि इस संबंध में प्रामाणिक दस्तावेजों में क्रिमिला का नमा प्रसिद्ध रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि क्रिमिला के नाम पर पालवंश के शासकों के राज महल के समीप पार्क का निर्माण क्रिमिला के नाम पर किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार लखीसराय समाहरणालय का नामकरण जय नगर क्रिमिला समाहरणालय कबतक करना चाहती है?

जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई

245. **श्री राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता** : क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमिसुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मोतिहारी में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है परन्तु अब तक उसके लिए जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई नहीं हो पाई है जिसके कारण विकास का काम बंद है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त विश्वविद्यालय के लिए जमीन अधिग्रहण करने की कार्रवाई में शीघ्रता लाने हेतु अधिकारियों को निदेश निर्गत करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 29 मार्च, 2017